॥ श्रीकृष्णाष्टकम् ३ ॥

.. shrIkRiShNAShTakam 3 ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

Document Information

Text title : kRishhNaashhTakam
File name : krishna8-3.itx
Category : aShTaka
Location : doc_vishhnu
Author : Unknown
Language : Sanskrit
Subject : philosophy/religion
Transliterated by : Bhargavi Atchutuni <bhargavi_m at hotmail.com>
Proofread by : Bhargavi Atchutuni <bhargavi_m at hotmail.com>
Latest update : March 15, 2001
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

॥ श्रीकृष्णाष्टकम् ३ ॥

वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूरमर्दनम्
देवकीपरमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ १॥

आतसीपुष्पसंकाशम् हारनूपुरशोभितम्
रत्नकण्कणकेयूरं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ २॥

कुटिलालकसंयुक्तं पूर्णचन्द्रनिभाननम्
विलसत्कुण्डलधरं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ३॥

मन्दारगन्धसंयुक्तं चारुहासं चतुर्भुजम्
बर्हिपिञ्छावचूडाङ्गं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ४॥

उत्फुल्लपद्मपत्राक्षं नीलजीमूतसन्निभम्
यादवानां शिरोरत्नं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ५॥

रुक्मिणीकेळिसंयुक्तं पीतांबरसुशोभितम्
अवाप्ततुलसीगन्धं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ६॥

गोपिकानां कुचद्वन्द्व कुंकुमाङ्कितवक्षसम्
श्री निकेतं महेष्वासं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ७॥

श्रीवत्साङ्कं महोरस्कं वनमालाविराजितम्
शङ्खचक्रधरं देवं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ८॥

कृष्णाष्टकमिदं पुण्यं प्रातरुत्थाय यः पठेत् ।
कोटिजन्मकृतं पापं स्मरणेन विनष्यति ॥

॥ इति कृष्णाष्टकम् ॥

<ः॒र्॒>

Encoded by Bhargavi Atchutuni <भर्गविम्@होत्मैल्ॅओम्>

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

.. shrIkRiShNAShTakam 3 ..
was typeset on July 25, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*